

## Synopsis -

### मात्राएँ

स्वरों के लिए निश्चित किए गए चिह्न मात्रा कहलाते हैं। प्रत्येक स्वर का मात्रा के रूप में चिह्न है, किंतु, 'अ' स्वर की मात्रा नहीं होती।

स्वर	मात्रा	मात्रा के साथ वर्ण	शब्द
अ	कोई मात्रा नहीं	क् + अ = क	कमल, कटहल
आ	।	क् + आ = का	कान, काजल
इ	ि	क् + इ = कि	किताब, किनारा
ई	ी	क् + ई = की	कील, कीड़ा
उ	ु	क् + उ = कु	कुलफ़ी, कुतुबमीनर
ऊ	ू	क् + ऊ = कू	कूलर, कूड़ेदान
ऋ	ृ	क् + ऋ = कृ	कृपाण, कृषक
ए	े	क् + ए = के	केला, केसरी
ऐ	ै	क् + ऐ = कै	कैसा, कैमरा
ओ	ो	क् + ओ = को	कोयल, कोटर
औ	ौ	क् + औ = कौ	कौआ, कौन

**Synopsis -**

## अन्य ध्वनियाँ और उनके चिह्न

**अनुस्वार** - इसका उच्चारण नाक से होता है। इसका चिह्न (—ँ) होता है; जैसे - अंक, पंखा, दंगल, जंगल, अंगूर, मंजन आदि।

**अनुनासिक** - इसे चंद्रबिंदु (ँ) के रूप में प्रयोग किया जाता है। इसका नाक और गले साथ उच्चारण करते हैं; जैसे-चाँद, पाँच, पहेलियाँ, सहेलियाँ, नदियाँ, मछलियाँ आदि।

**विसर्ग** - इसका उच्चारण 'ह्' होता है; जैसे - प्रातः, पुनः आदि।

**NOTE :-** मात्राओं से बने शब्द पुस्तक में लिखिए।

**VIDEO LINK**

1. <https://youtu.be/hLzEHXyxutk>